भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति

तारीखः 28 अक्टूबर, 2025

जारी करने का समय: 1400 घंटे

विषय: (i) पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर गंभीर चक्रवाती तूफान "मोंथा" आज, 28 अक्टूबर की शाम/रात के दौरान काकीनाडा के आसपास मछलीपट्टनम और कलिंगपट्टनम के बीच आंध्र प्रदेश तट को पार कर सकता है। इस दौरान अधिकतम निरंतर हवा की गति 90-100 किमी प्रति घंटा से लेकर 110 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है।

(ii) पूर्व-मध्य अरब सागर के ऊपर अवदाब।

(iii) उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव में, 28 अक्टूबर को तटीय आंध्र प्रदेश, रायलसीमा, तेलंगाना और दक्षिण छत्तीसगढ़ में; 28 और 29 अक्टूबर, 2025 को ओडिशा में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है।

पिछले 24 घंटों की वास्तविक मौसम स्थिति (आज 28 अक्टूबर, 2025 को सुबह 0830 बजे IST तक):

- तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा दर्ज की गई है।
- पूर्वी राजस्थान, गुजरात राज्य, पश्चिमी मध्य प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (7-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- रायलसीमा, केरल और माहे, ओडिशा, छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, तमिलनाडु में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

वास्तविक मौसम के अधिक विवरण के लिए कृपया **अनुलग्नक I** देखें।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक II और III देखें):

- बंगाल की खाड़ी के पश्चिम-मध्य में चक्रवाती तूफान "मोंथा" [उच्चारण: सोम-था] पिछले 6 घंटों के दौरान 15 किमी प्रति घंटे की गति से उत्तर-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ा, एक गंभीर चक्रवाती तूफान में तब्दील हो गया और आज, 28 अक्टूबर 2025 को 0530 बजे IST पर उसी क्षेत्र में केंद्रित रहा, बंगाल की खाड़ी के पश्चिम-मध्य में गंभीर चक्रवाती तूफान "मोंथा" [उच्चारण: सोम-था] पिछले 6 घंटों के दौरान 12 किमी प्रति घंटे की गति से उत्तर-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ा और आज, 28 अक्टूबर 2025 को 0830 बजे IST पर उसी क्षेत्र में केंद्रित रहा, अक्षांश 14.9°N और देशांतर 82.9°E के पास, मछलीपट्टनम (आंध्र प्रदेश) से लगभग 160 किमी दक्षिण-दक्षिणपूर्व, काकीनाडा (आंध्र यह चक्रवाती तूफान विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) से 320 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपश्चिम और गोपालपुर (ओडिशा) से 530 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपश्चिम में स्थित है। यह उत्तर-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ता रहेगा और आज, 28 अक्टूबर की शाम/रात के दौरान एक गंभीर चक्रवाती तूफान के रूप में मछलीपट्टनम और कलिंगपट्टनम के बीच काकीनाडा के आसपास आंध्र प्रदेश के तट को पार करेगा। इस तूफान की अधिकतम निरंतर गति 90-100 किलोमीटर प्रति घंटा से लेकर 110 किलोमीटर प्रति घंटा तक हो सकती है।
- पूर्व-मध्य अरब सागर पर कल बना अवदाब पिछले 06 घंटों के दौरान 12 किमी प्रति घंटे की गति से उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ा और आज, 28 अक्टूबर 2025 को 0830 बजे IST पर उसी क्षेत्र में, अक्षांश 17.1°N और देशांतर 67.8°E के पास, वेरावल (गुजरात) से लगभग 500 किमी दक्षिण-दक्षिणपश्चिम, मुंबई (महाराष्ट्र) से 580 किमी पश्चिम-दक्षिणपश्चिम, पंजिम (गोवा) से 670 किमी पश्चिम-उत्तरपश्चिम, अमिनिदिवी (लक्षद्वीप) से 850 किमी उत्तरपश्चिम और मैंगलोर (कर्नाटक) से लगभग

890 किमी पश्चिम-उत्तरपश्चिम में केंद्रित रहा। अगले 36 घंटों के दौरान इसके पूर्व-मध्य अरब सागर में लगभग उत्तर-उत्तरपूर्व की ओर बढ़ने की संभावना है।

- एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण उत्तर-पूर्व राजस्थान और निचले क्षोभमंडल स्तरों में आसपास के क्षेत्रों में बना हुआ है।
- यह द्रोणिका पूर्व-मध्य अरब सागर पर अवदाब से संबद्ध ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण से लेकर निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर उत्तर-पूर्व राजस्थान तक चलती है।

- पश्चिमी विक्षोभ मध्य क्षोभमंडलीय पश्चिमी हवाओं में एक द्रोणिका के रूप में अपनी धुरी के साथ औसत समुद्र तल से 5.8 किमी ऊपर अब मोटे तौर पर अक्षांश 32°N के उत्तर में देशांतर 75°E के साथ चलती है।

इन प्रणालियों के प्रभाव से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- 28 और 29 अक्टूबर को केरल और माहे में; 28 अक्टूबर को तटीय कर्नाटक और उत्तर आंतरिक कर्नाटक में; 28-30 अक्टूबर के दौरान तेलंगाना में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा/गरज के साथ छिटपुट भारी वर्षा; जिसमें 28 अक्टूबर को तमिलनाडु में; 29 अक्टूबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा और तेलंगाना में बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- 28 अक्टूबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना तथा रायलसीमा में छिटपुट स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) संभावित है।
- 28 और 29 अक्टूबर को केरल और माहे, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक तथा लक्षद्वीप में; 28 अक्टूबर से 01 नवंबर तक तेलंगाना में; 28 अक्टूबर को तमिलनाडु में; 28 और 29 अक्टूबर को रायलसीमा में तथा 28-30 अक्टूबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में गरज के साथ बिजली और झोंकेदार हवाएं (गति 30-50 किमी/घंटा) संभावित है।

पूर्व और मध्य भारत:

- 28-30 अक्टूबर के दौरान पश्चिम मध्य प्रदेश में; 28-31 अक्टूबर को पूर्व मध्य प्रदेश में; 28-30 अक्टूबर के दौरान विदर्भ और छत्तीसगढ़ में; 28-31 अक्टूबर के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में; 29-31 अक्टूबर के दौरान झारखंड में; 29-31 अक्टूबर के दौरान बिहार में; 28-30 अक्टूबर के दौरान ओडिशा में तथा 30 अक्टूबर और 01 नवंबर को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कुछ/छिटपुट स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा/गरज के साथ छिटपुट भारी वर्षा; जिसमें 29 अक्टूबर को विदर्भ और छत्तीसगढ़ में; 30 अक्टूबर को पूर्व मध्य प्रदेश में; 30 और 31 अक्टूबर को बिहार में तथा 31 अक्टूबर को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में छिटपुट बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- 28 अक्टूबर को दक्षिण छत्तीसगढ़ में छिटपुट स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) संभावित है।
- आगामी 5 दिनों तक मध्य प्रदेश में; 29 और 30 अक्टूबर को अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में; 28-31 अक्टूबर के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, बिहार तथा गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में; 28-30 अक्टूबर के दौरान बिहार में तथा आगामी 5 दिनों तक ओडिशा में गरज के साथ बिजली; जिसमें 28 और 29 अक्टूबर को विदर्भ में झोंकेदार हवाएं (गति 40-50 किमी/घंटा) तथा 28 अक्टूबर को अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में झोंकेदार हवाएं (गति 30-40 किमी/घंटा) संभावित है।
- 28 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ में आंधी की गति 60-70 किमी/घंटा तथा 29 अक्टूबर को 50-60 किमी/घंटा संभावित है।

पश्चिम भारत:

- 28 और 29 अक्टूबर को कोंकण और गोवा तथा मराठवाड़ा में; 29 अक्टूबर को मध्य महाराष्ट्र में तथा 28-31 अक्टूबर के दौरान गुजरात क्षेत्र में कई/कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा/गरज के साथ छिटपुट भारी वर्षा; जिसमें 28-31 अक्टूबर के दौरान सौराष्ट्र और कच्छ में छिटपुट बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- आगामी 5 दिनों तक क्षेत्र में गरज के साथ बिजली और झोंकेदार हवाएं (गति 30-40 किमी/घंटा) संभावित है।

उत्तर-पूर्व भारत:

- 30 अक्टूबर से 02 नवंबर तक अरुणाचल प्रदेश में; 31 अक्टूबर से 02 नवंबर के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में; 30 अक्टूबर तथा 02 और 03 नवंबर को असम और मेघालय में कई/कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा/गरज के साथ छिटपुट भारी वर्षा; 31 अक्टूबर और 01 नवंबर को असम और मेघालय तथा अरुणाचल प्रदेश में छिटपुट बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- 30 अक्टूबर से 01 नवंबर तक उत्तर-पूर्व भारत में गरज के साथ बिजली और झोंकेदार हवाएं (गति 30-40 किमी/घंटा) संभावित है।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- छिटपुट स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा/गरज के साथ 28 अक्टूबर को पूर्व राजस्थान में; 31 अक्टूबर को पूर्व उत्तर प्रदेश में छिटपुट भारी वर्षा संभावित तथा 30 अक्टूबर को पूर्व राजस्थान में छिटपुट बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- 30 अक्टूबर को पश्चिम उत्तर प्रदेश में; 30 और 31 अक्टूबर को पूर्व उत्तर प्रदेश में गरज के साथ बिजली तथा 28 और 30 अक्टूबर को पूर्व राजस्थान में गरज के साथ बिजली और झोंकेदार हवाएं (गति 30-40 किमी/घंटा) संभावित है।
- आगामी 5-7 दिनों तक क्षेत्र में तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं है।

बंगाल की खाड़ी के लिए चेतावनी:

हवा की चेतावनी:

28 अक्टूबर की रात तक दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के पश्चिम-मध्य और आसपास के क्षेत्रों में 90-100 किमी प्रति घंटे की गति से बढ़कर 110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाएँ चलने की संभावना है। उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के आसपास के क्षेत्रों में 30-40 किमी प्रति घंटे की गति से बढ़कर 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाएँ चल रही हैं और 28 की शाम से 29 की सुबह तक इसी क्षेत्र में बढ़कर 60-70 किमी प्रति घंटे की गति से बढ़कर 80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ने की संभावना है और 30 अक्टूबर की सुबह तक धीरे-धीरे कम होकर 35-45 किमी प्रति घंटे की गति से बढ़कर 55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ने की संभावना है।

आंध्र प्रदेश और यनम तटों पर: आंध्र प्रदेश और यनम (पुडुचेरी) के तटों पर 60-70 किमी प्रति घंटे से लेकर 80 किमी प्रति घंटे की रफ़्तार से तेज़ हवाएँ चल रही हैं, जो 28 अक्टूबर की शाम से 29 अक्टूबर की सुबह तक 90-100 किमी प्रति घंटे से लेकर 110 किमी प्रति घंटे तक पहुँच सकती हैं। 29 अक्टूबर की दोपहर तक उत्तरी आंध्र प्रदेश और यनम तटों पर हवा की गति धीरे-धीरे कम होकर 60-70 किमी प्रति घंटे से लेकर 80 किमी प्रति घंटे तक पहुँच जाएगी। 29 अक्टूबर की शाम तक हवा की गति तेज़ होकर 45-55 किमी प्रति घंटे से लेकर 65 किमी प्रति घंटे तक पहुँच सकती है और उसके बाद इस क्षेत्र में धीरे-धीरे कम हो जाएगी।

तमिलनाडु और पुडुचेरी के तटों पर: तमिलनाडु-पुडुचेरी के तटों पर 45-55 किमी प्रति घंटे से लेकर 65 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने के साथ तूफानी मौसम बना हुआ है और इसके धीरे-धीरे कम होने की संभावना है।

ओडिशा के तटों पर: दक्षिण ओडिशा के तटों पर 45-55 किमी प्रति घंटे से लेकर 65 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने के साथ तूफानी मौसम बना हुआ है। 28 अक्टूबर की शाम से 29 अक्टूबर की सुबह तक इसके बढ़कर 60-70 किमी प्रति घंटे से लेकर 80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवा चलने की संभावना है। 29 अक्टूबर की शाम तक दक्षिण ओडिशा के तटों पर 45-55 किमी प्रति घंटे से लेकर 65 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है और उसके बाद धीरे-धीरे कम हो जाएगी। 28 अक्टूबर की शाम से 29 अक्टूबर की सुबह तक उत्तरी ओडिशा तट पर 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़कर 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवा चलने की संभावना है। 29 अक्टूबर की शाम तक 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़कर 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है और उसके बाद धीरे-धीरे इसमें कमी आएगी।

पश्चिम बंगाल तट पर और उसके आसपास: 28 से 29 अक्टूबर तक पश्चिम बंगाल तट पर और उसके आसपास 35-45 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़कर 55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।

समुद्र की स्थिति:
पश्चिम मध्य और उससे सटे दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में उच्च से बहुत उच्च समुद्र की स्थिति बनी हुई है। 28 अक्टूबर की सुबह से 29 अक्टूबर की सुबह तक पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी में समुद्र की स्थिति बहुत उच्च रहने की संभावना है। इसके बाद, 29 तारीख की दोपहर तक इसमें सुधार होने की संभावना है और यह उच्च से बहुत खराब हो जाएगा और अगले 12 घंटों के दौरान बहुत खराब से खराब हो जाएगा। बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिम के आसपास के क्षेत्रों में मध्यम से अशांत समुद्री परिस्थितियाँ बनी हुई हैं। 28 अक्टूबर की सुबह से 29 अक्टूबर की सुबह तक इसके और बिगड़ने की संभावना है, जो बहुत अशांत से उच्च हो जाएगी और उसके बाद धीरे-धीरे सुधरते हुए 30 अक्टूबर की सुबह तक अशांत हो जाएगी।

आंध्र प्रदेश और यनम तटों के साथ-साथ: आंध्र प्रदेश और यनम (पुडुचेरी के) तटों के साथ-साथ समुद्र की स्थिति बहुत अशांत से उच्च है। 28 अक्टूबर की सुबह से यह और बिगड़कर उच्च से बहुत उच्च हो जाएगी और 28 अक्टूबर की शाम से 29 अक्टूबर की सुबह तक बहुत उच्च हो जाएगी। इसके बाद, 29 अक्टूबर की दोपहर तक यह सुधरकर उच्च हो जाएगी और अगले 12 घंटों के दौरान बहुत अशांत से अशांत हो जाएगी।
ओडिशा तट के साथ-साथ: ओडिशा तट के साथ-साथ समुद्र की स्थिति बहुत अशांत से बहुत अशांत है। 28 अक्टूबर की सुबह से 29 अक्टूबर की सुबह तक यह और बिगड़कर उच्च हो जाएगी। अगले 12 घंटों के दौरान यह धीरे-धीरे सुधरकर बहुत अशांत से अशांत हो जाएगी।
तमिलनाडु और पुडुचेरी के तटों पर: 28 अक्टूबर तक तमिलनाडु-पुडुचेरी के तटों पर समुद्र की स्थिति बहुत खराब से बहुत खराब रहने की संभावना है।
पश्चिम बंगाल के तटों पर: 28-29 अक्टूबर के दौरान पश्चिम बंगाल के तटों पर समुद्र की स्थिति बहुत खराब रहने की संभावना है और उसके बाद इसमें सुधार होगा।

तूफ़ानी लहरों की चेतावनी:
भूस्खलन के समय, खगोलीय ज्वार से लगभग 1 मीटर ऊँची तूफ़ानी लहर के कारण तटीय आंध्र प्रदेश और यनम (पुडुचेरी) के निचले इलाकों में बाढ़ आने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी: मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 29 अक्टूबर तक दक्षिण-पश्चिम, मध्य बंगाल की खाड़ी से सटे, तमिलनाडु-आंध्र प्रदेश और यनम (पुडुचेरी के) और ओडिशा के तटों पर और 28-29 अक्टूबर के दौरान पश्चिम बंगाल के तटों पर न जाएँ। जो लोग समुद्री क्षेत्र में हैं, उन्हें तुरंत तट पर लौट आना चाहिए।

भारी बारिश और तेज हवाओं (आंध्र प्रदेश और पुडुचेरी के यनम [तिरुपति, अन्नामय्या, नेल्लोर, वाईएसआर कडप्पा, प्रकाशम, बापटला, चित्तौड़, नाडियाल, पालनाडु, गुंटूर, कृष्णा, पूर्व और पश्चिम गोदावरी, कोनसीमा, काकीनाडा, अनाकापल्ली, अल्लूरी सीतारमारजू, विशाखापत्तनम, एलुरु, विजयनगरम, श्रीकाकुलम, पार्वती पुरम) के कारण अपेक्षित प्रभाव और कार्रवाई का सुझाव दिया गया। मान्यम] और दक्षिण ओडिशा तट [गंजम, गजपति, रायगड़ा, मलकानगिरी, कोरापुट, नवरंगपुर, कालाहांडी, कंधमाल, नुआपाड़ा, बौध])

- फूस के घरों/झोपड़ियों को भारी क्षति। छतें उड़ सकती हैं. अनासक्त धातु की चादरें उड़ सकती हैं।
- बिजली और संचार लाइनों को नुकसान।
- कच्ची सड़कों को बड़ी क्षति और पक्की सड़कों को कुछ क्षति। भागने के मार्गों में बाढ़.
- पेड़ों की शाखाओं का टूटना, बड़े पेड़ों का उखड़ना। केले और पपीते के पेड़ों को बड़े पैमाने पर नुकसान। पेड़ों से बड़ी सूखी शाखाएँ उड़ गईं।
- बाढ़ और तेज़ हवाओं के कारण धान की फ़सलों, बागवानी और खड़ी फ़सलों और बाग़ों को नुकसान।
- भारी वर्षा और अचानक बाढ़ के कारण तटीय ज़िलों के निचले इलाकों में जलभराव।
- स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से शहरी क्षेत्रों में अंडरपास का बंद होना।
- भारी वर्षा के कारण दृश्यता में कभी-कभी कमी।
- जलभराव और तेज़ हवाओं के कारण यातायात में व्यवधान।
- स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी धंसना। इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

- तटबंधों/नमक पैन को नुकसान।
- उत्तरी आंध्र प्रदेश और यनम के तटीय जिलों में तटीय बाढ़ और तटीय कटाव की भी प्रबल संभावना है।

सुझाई गई कार्रवाई:

- मछली पकड़ने के कार्यों को पूरी तरह से स्थगित करना।
- तटीय झोपड़ियों में रहने वालों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाना। प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को घर के अंदर ही रहना है।
- मोटर बोटों में आवाजाही असुरक्षित है।
- अपतटीय/तटीय परिचालनों का विवेकपूर्ण विनियमन।
- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे बिगड़ती परिस्थितियों के लिए मौसम पर नज़र रखें और तदनुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- बिजली गिरने की आशंका होने पर, तुरंत बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के प्लग निकाल दें, जलाशयों से बाहर निकल जाएँ और बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।
- पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को विनियमित किया जाएगा।
- भूतल परिवहन और हेलीकॉप्टर सेवाओं को विनियमित किया जाएगा।

अरब सागर के क्षेत्रों के लिए चेतावनी:

हवा की चेतावनी:

प्रणाली के केंद्र के आसपास 45-55 से लेकर 65 किमी प्रति घंटे की रफ़्तार तक की तेज़ हवाएँ चल रही हैं और 28 अक्टूबर तक पूर्व-मध्य और उससे सटे दक्षिण-पूर्व अरब सागर में जारी रहेंगी।

30 अक्टूबर तक उत्तर-पूर्व अरब सागर और महाराष्ट्र व गुजरात के तटों पर 45-55 किमी प्रति घंटे से लेकर 65 किमी प्रति घंटे की रफ़्तार तक की तेज़ हवाएँ चलने की संभावना है।

समुद्र की स्थिति:

30 अक्टूबर तक पूर्व-मध्य अरब सागर और 28 अक्टूबर तक दक्षिण-पूर्व अरब सागर में समुद्र की स्थिति खराब से बहुत खराब रहने की संभावना है।

28 अक्टूबर तक लक्षद्वीप और कोमोरिन क्षेत्र और कर्नाटक तथा केरल के तटों पर समुद्र की स्थिति खराब रहने की संभावना है।

28 अक्टूबर तक उत्तर-पूर्व अरब सागर और महाराष्ट्र तथा गुजरात के तटों पर समुद्र की स्थिति मध्यम से खराब रहने की संभावना है, और 29 से 30 अक्टूबर के दौरान खराब से बहुत खराब रहने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी: मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 29 अक्टूबर तक पूर्व-मध्य अरब सागर, 28 अक्टूबर तक दक्षिण-पूर्व अरब सागर, 28 अक्टूबर तक लक्षद्वीप और कोमोरिन क्षेत्र तथा कर्नाटक और केरल के तटों पर, 30 अक्टूबर तक उत्तर-पूर्व अरब सागर तथा महाराष्ट्र और गुजरात के तटों पर न जाएँ।

भारी वर्षा और तेज हवाओं के कारण अपेक्षित प्रभाव और सुझाई गई कार्रवाई (केरल, तटीय कर्नाटक, कोंकण और गोवा तथा गुजरात राज्य):

अपेक्षित प्रभाव:

- पेड़ की शाखाएं टूटना। तेज हवा और भारी बारिश से बागान, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- तेज हवाओं और भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान।
- भारी बारिश के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।
- स्थानीय अचानक बाढ़, भूस्खलन, मिट्टी का खिसकना, भूस्खलन, जलभराव, जलमग्नता और निचले इलाकों में बाढ़ हो सकती है।
- भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
- सतह और हेलीकॉप्टर सेवाएं नियंत्रित हो सकती हैं।
- तेज हवा और भारी बारिश के कारण छोटे जहाजों और देसी नावों पर प्रभाव पड़ सकता है।

सुझाव:

- लोगों को मौसम पर नजर रखने और बिगड़ते हालात के लिए सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहने की सलाह।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे आश्रय न लें, क्योंकि बिजली गिरने की संभावना हो सकती है।
- बिजली गिरने की संभावना होने पर, विद्युत/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें, तुरंत जल निकायों से बाहर निकलें और बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।
- पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को नियंत्रित करें।
- सतह परिवहन और हेलीकॉप्टर सेवाओं को नियंत्रित करें।

ii. 28 से 31 अक्टूबर, 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक I

पिछले 24 घंटों में आज, 28 अक्टूबर 2025 को सुबह 0830 बजे IST तक दर्ज की गई वर्षा (सेमी में) (≥ 7 सेमी):

- **सौराष्ट्र और कच्छ:** सूत्रपाड़ा (जिला गिर सोमनाथ) 20; दीव (जिला दीव), वेरावल (जिला गिर सोमनाथ) 13 प्रत्येक; खंभा (जिला अमरेली), कोडिनार (जिला गिर सोमनाथ), गिर गधाडा (जिला गिर सोमनाथ) 12 प्रत्येक; ऊना (जिला गिर सोमनाथ), तलाजा (जिला भावनगर) 11 प्रत्येक; लिलिया (जिला अमरेली) 10; तलाला (जिला गिर सोमनाथ) 9; सावरकुंडला (जिला अमरेली) 8; महुवा (बी) (जिला भावनगर), मेंदरडा (जिला जूनागढ़) 7 प्रत्येक;
- **तटीय आंध्र प्रदेश और यनम:** आनंदपुरम-25; विशाखापत्तनम (जिला विशाखापत्तनम) 19; विशाखापत्तनम एपी (जिला विशाखापत्तनम), भीमुनिपट्टनम (जिला विशाखापत्तनम) 14 प्रत्येक; मंदासा (जिला श्रीकाकुलम) 12; कलिंगपट्टनम (जिला श्रीकाकुलम), इच्छापुरम (जिला श्रीकाकुलम) 10 प्रत्येक; चोदावरम (जिला अनाकापल्ली), पलासा (जिला श्रीकाकुलम) 9 प्रत्येक; येलमंचिली (जिला अनाकापल्ली), अनाकापल्ली (जिला अनाकापल्ली) 8 प्रत्येक; पथपट्टनम (जिला श्रीकाकुलम), नेल्लोर (जिला विशेष नगर नेल्लोर), पुसापतिरेगा (जिला विजयनगरम), विजयनगरम (जिला विजयनगरम) 7 प्रत्येक;
- **पूर्वी राजस्थान:** नैनवा (जिला बूंदी) 13; कोटड़ी (जिला भीलवाड़ा) 12; गंगरार (जिला चित्तौड़गढ़), निम्बाहेड़ा (जिला चित्तौड़गढ़) 11 प्रत्येक; बारी-सादड़ी (जिला चित्तौड़गढ़), भोपालसागर एसआर (जिला चित्तौड़गढ़), भीलवाड़ा तहसील एसआर (जिला भीलवाड़ा), बूंदी (जिला बूंदी), निथुवा एसआर (जिला डूंगरपुर), सागवाड़ा (जिला डूंगरपुर), वल्लभनगर (जिला उदयपुर) 10 प्रत्येक; मांगरोल (जिला बारां), शेरगढ़ एसआर (जिला बांसवाड़ा), डूंगला एसआर (जिला चित्तौड़गढ़), खुशालगढ़ (जिला बांसवाड़ा), छीपाबड़ौद एसआर (जिला बारां), भीलवाड़ा (जिला भीलवाड़ा) 9 प्रत्येक; हिंडोली (जिला बूंदी), आसपुर (जिला डूंगरपुर), कपासन एसआर (जिला चित्तौड़गढ़), उदयपुर/डी-एयरो (जिला उदयपुर), पीपल्दा एसआर (जिला कोटा), बड़ेसर एसआर (जिला चित्तौड़गढ़), लाडपुरा एसआर (जिला कोटा), छबड़ा (जिला बारां), बागीदौरा एसआर (जिला बांसवाड़ा), राशमी एसआर (जिला चित्तौड़गढ़) 8 प्रत्येक; चोथकाबरवाड़ा एसआर (जिला सवाई माधोपुर), चित्तौड़गढ़ (जिला चित्तौड़गढ़), बांसवाड़ा एसआर (जिला बांसवाड़ा), कोटा-एयरो (जिला कोटा), नागरफोर्ट एसआर (जिला टोंक), खंडार एसआर (जिला सवाई माधोपुर), बकानी एसआर (जिला झालावाड़), दानपुर (जिला बांसवाड़ा) 7 प्रत्येक;
- **पश्चिम मध्य प्रदेश:** थांदला (जिला झाबुआ), मेघनगर (जिला झाबुआ), बडोदा (जिला श्योपुर) 12 प्रत्येक; श्योपुर-एडब्ल्यूएस (जिला श्योपुर) 11; झाबुआ-आवास (जिला झाबुआ), नागदा (जिला उज्जैन), करहल (जिला श्योपुर), धुंधडाका (जिला मंदसौर) 10 प्रत्येक; जावरा (जिला रतलाम), रामा (जिला झाबुआ), पिपलौदा (जिला रतलाम), मल्हारगढ़ (जिला मंदसौर) 9 प्रत्येक; बदनावर (जिला धार), पेटलावद (जिला झाबुआ), रतलाम-एडब्ल्यूएस (जिला रतलाम), सैलाना (जिला रतलाम), विजयपुर (एडीपी) (जिला श्योपुर), बड़ौद (जिला आगर-मालवा), घाटीगांव (जिला ग्वालियर), कुंभराज (जिला गुना) 8 प्रत्येक; ग्वालियर (जिला ग्वालियर), मनासा (जिला नीमच), मंदसौर-आवास (जिला मंदसौर), बड़नगर (जिला उज्जैन), पाटी (जिला बड़वानी), डही (जिला धार), आलोट (जिला रतलाम), बैराड़ (जिला शिवपुरी), चिनोर (जिला ग्वालियर) 7 प्रत्येक;

- **ओडिशा**: पात्रपुर (जिला गंजम) 12; गोसानी (जिला गजपति) 11; आर.उदयगिरी (जिला गजपति), परलाखेमुंडी (जिला गजपति), सांखीमुंडी (जिला गंजम) 9 प्रत्येक; कुकुदाहांडी (जिला गंजम) 8; बेरहामपुर (जिला गंजाम) 7;
- **तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल**: एन्नोर एडब्ल्यूएस (जिला तिरुवल्लूर), विरिनजीपुरम एडब्ल्यूएस (जिला वेल्लोर) 11 प्रत्येक; पोन्नेरी (जिला तिरुवल्लुर), अंबाथुर (जिला चेन्नई), सीडी अस्पताल टोंडिपेट (जिला चेन्नई), अवदी (जिला तिरुवल्लूर) 7 प्रत्येक;
- **गुजरात क्षेत्र:** वडोदरा (जिला वडोदरा), गल्तेश्वर (जिला खेड़ा) 11 प्रत्येक; बारडोली (जिला सूरत), मेघराज (जिला अरावली) 10 प्रत्येक; उमरपाड़ा (जिला सूरत), वागरा (जिला भरूच) 9 प्रत्येक; नडियाद (जिला खेड़ा) 8; हंसोट (जिला भरूच), दाहोद (जिला दाहोद), कडाना (जिला महीसागर), बालासिनोर (जिला महीसागर), नांदोद (जिला नर्मदा), खानपुर (जिला महीसागर) 7 प्रत्येक;
- **केरल और माहे:** एनामक्कल (जिला त्रिशूर) 9; पोन्नानी (जिला मलप्पुरम) 8; इरिंजलाकुडा (जिला त्रिशूर), वडक्कनचेरी (जिला त्रिशूर), कुन्नमकुलम (जिला त्रिशूर) 7 प्रत्येक;
- **रायलसीमा**: उरावकोंडा (जिला अनंतपुरमू) 8; सुल्लुरपेटा (जिला तिरूपति) 7;
- **छत्तीसगढ़**: छोटेडोंगर (जिला नारायणपुर) 7;
- **पूर्वी मध्य प्रदेश**: हनुमना (जिला रीवा) 7.

अनुलग्नक II

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	28- Oct	29- Oct	30- Oct	31- Oct	1- Nov	2- Nov	3- Nov
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	ISOL	ISOL	SCT	WS	WS	FWS	ISOL
3	ASSAM & MEHGHALAYA	ISOL	SCT	FWS	WS	WS	WS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	ISOL	SCT	FWS	WS	FWS	ISOL	ISOL
6	GANGETIC WEST BENGAL	SCT	FWS	WS	FWS	SCT	ISOL	DRY
7	ODISHA	WS	WS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
8	JHARKHAND	FWS	WS	WS	SCT	ISOL	DRY	DRY
9	BIHAR	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT	ISOL	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	FWS	SCT	ISOL	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	FWS	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	WS	FWS	SCT	ISOL	ISOL
21	GUJRAT REGION	WS	FWS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT
22	SAURASHTRA & KUTCH	WS	FWS	WS	FWS	SCT	SCT	ISOL
23	KONKAN & GOA	WS	WS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	SCT	FWS	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	WS	WS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
27	CHHATTISGARH	FWS	WS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	WS	WS	FWS	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
29	TELANGANA	WS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	WS	WS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	SCT	ISOL	ISOL	DRY	DRY
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	WS	FWS	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
35	KERALA AND MAHE	WS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
36	LAKSHADWEEP	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

अनुलग्नक III

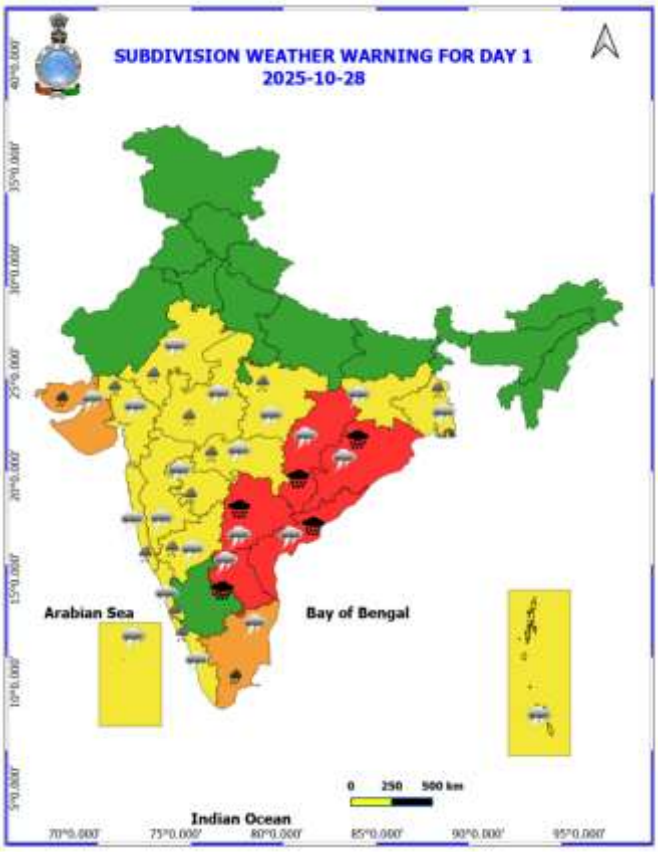
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-10-28
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

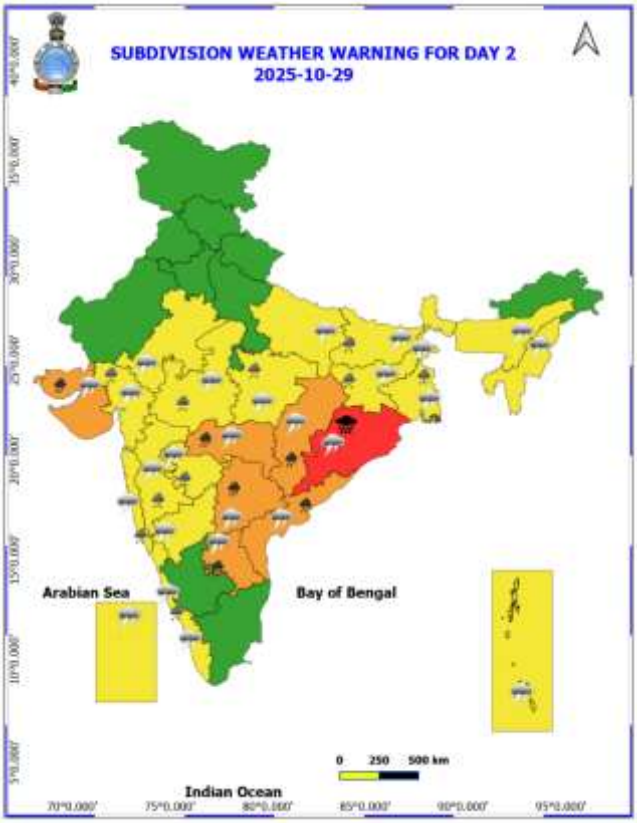
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-10-29
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

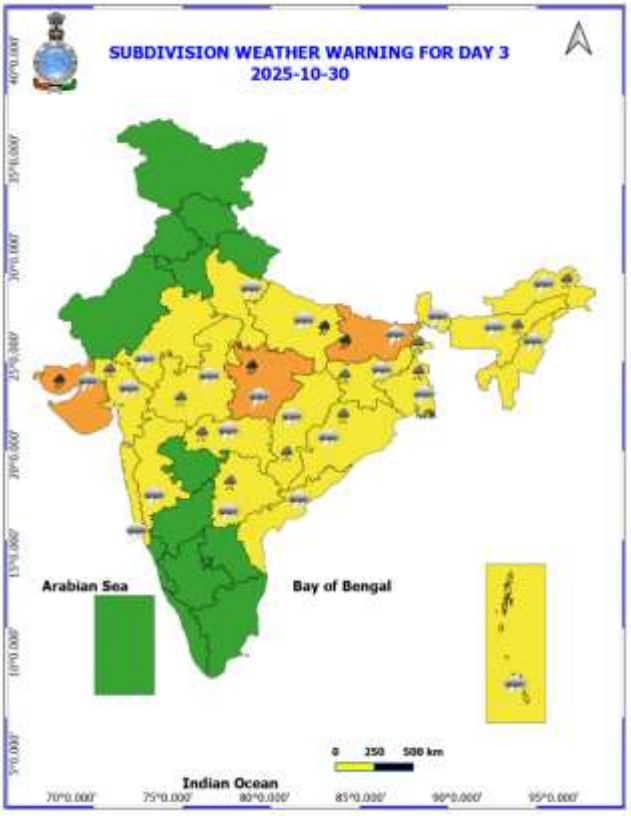
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-10-30
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

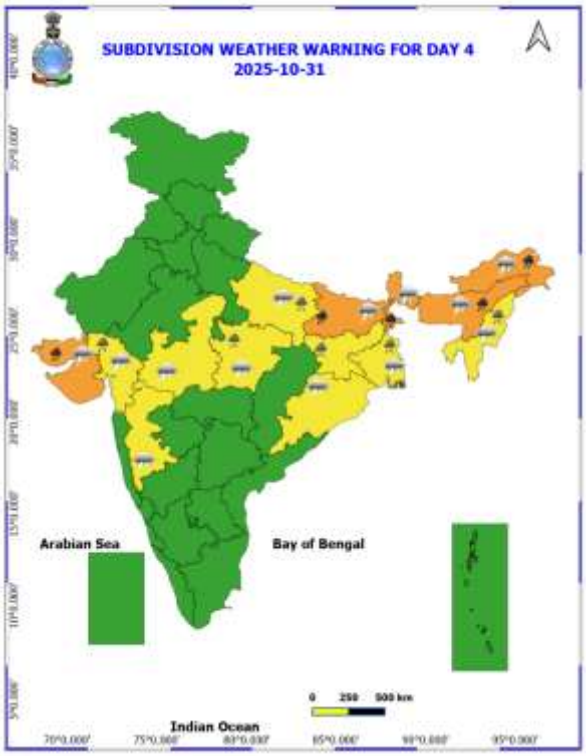

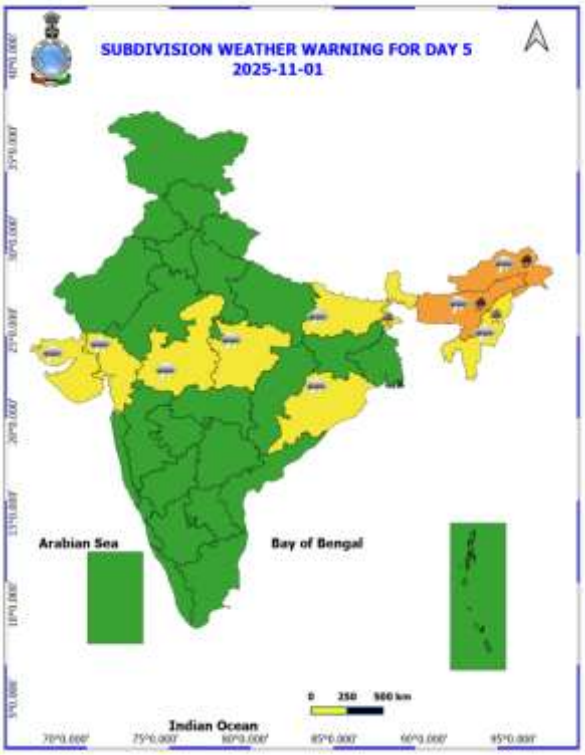

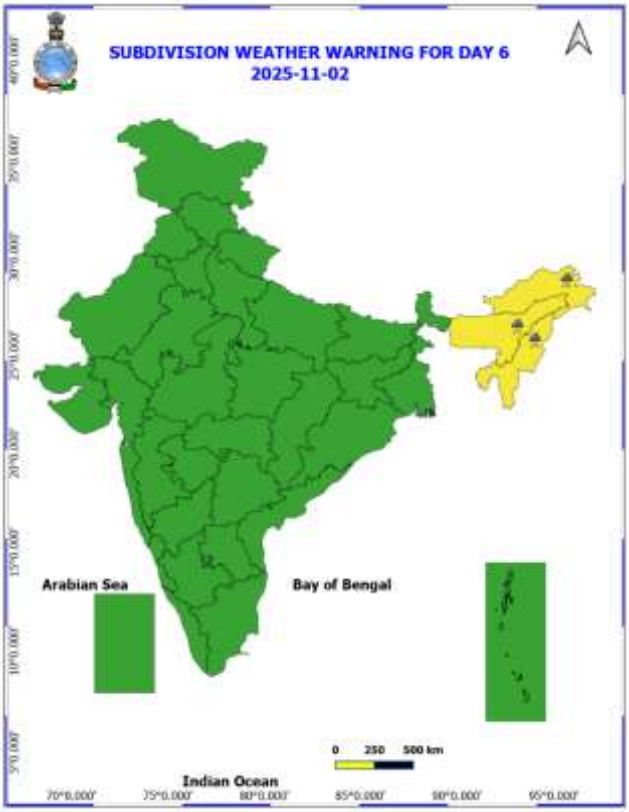

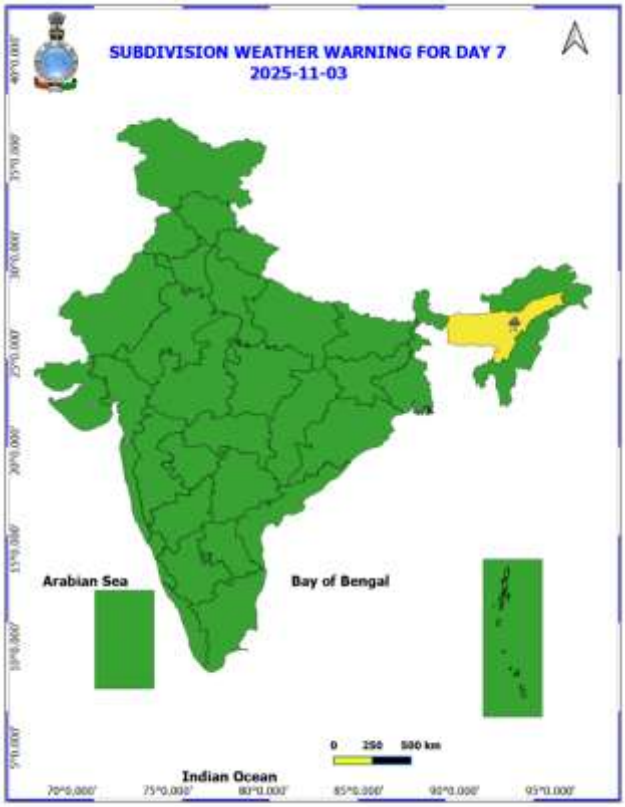

- **नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।**
- **असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।**
- **जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।**

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है
https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

28 से 31 अक्टूबर 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम: पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम तापमान में 1-3 डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि और अधिकतम तापमान में 1-3 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 28 से 29 डिग्री सेल्सियस और 17 से 20 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य से 2-4 डिग्री सेल्सियस तक अधिक और अधिकतम तापमान सामान्य से 2-4 डिग्री सेल्सियस तक कम रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान सामान्यतः बादल छाए रहेंगे और दक्षिण-पूर्व दिशा से सतही हवाएँ चल रही हैं, जो धीरे-धीरे बढ़कर 14 किमी प्रति घंटे तक पहुँच गई हैं। आज दोपहर तक इस क्षेत्र में सामान्यतः बादल छाए रहेंगे और उत्तर-पूर्व दिशा से शांत हवाएँ 8 किमी प्रति घंटे तक पहुँच गई हैं।

मौसम पूर्वानुमान:

28.10.2025: सामान्यतः बादल छाए रहेंगे। शाम से धुंध/धुंध छाई रहेगी। अधिकतम तापमान 27 से 29 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। अधिकतम तापमान सामान्य से 2-4 डिग्री सेल्सियस तक कम रहेगा। दोपहर के समय प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से 10 किमी प्रति घंटे की गति से चलेगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति कम होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 5 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी।

29.10.2025: आमतौर पर बादल छाए रहेंगे, दोपहर के समय आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय धुंध/हल्का कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 29 से 31 डिग्री सेल्सियस और 17 से 19 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-2 डिग्री सेल्सियस तक अधिक और अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा। प्रमुख सतही हवा उत्तर-पूर्व दिशा से आएगी, जो शांत हवा के साथ धीरे-धीरे बढ़ेगी और सुबह के समय 5 किमी प्रति घंटे तक की गति तक पहुंच जाएगी। दोपहर में हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर पूर्व दिशा से 10 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी। शाम और रात के दौरान दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति 08 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

30.10.2025: सुबह के समय धुंध/हल्के कोहरे के साथ आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 29 से 31 डिग्री सेल्सियस और 17 से 19 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-2 डिग्री सेल्सियस तक अधिक और अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा। सुबह के समय प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से 10 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है। दोपहर में उत्तर-पूर्व दिशा से हवा की गति बढ़कर 15 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी। शाम और रात के दौरान उत्तर-पूर्व दिशा से हवा की गति घटकर 12 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

31.10.2025: दोपहर के समय आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे जो आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय धुंध/धुंध रहेगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 30 से 32°C और 18 से 20°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-3°C तक अधिक और अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। सुबह के समय दक्षिण-पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटे की गति से सतही हवाएँ चलने की संभावना है। दोपहर में उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा की गति बढ़कर 12 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी। शाम और रात के समय दक्षिण-पश्चिम दिशा से हवा की गति घटकर 8 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

अत्यधिक भारी और बहुत भारी बारिश के कारण अपेक्षित प्रभाव और सुझाव:

- 28 अक्टूबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा और दक्षिण छत्तीसगढ़ में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) की संभावना है।
- 28 अक्टूबर को तमिलनाडु में; 29 अक्टूबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, तेलंगाना और विदर्भ और छत्तीसगढ़; 30 अक्टूबर को पूर्वी मध्य प्रदेश और पूर्वी राजस्थान; 30 और 31 को बिहार और 31 को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 28-31 के दौरान सौराष्ट्र और कच्छ; 31 अक्टूबर और 01 नवंबर को असम और मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा (12-20 सेमी) की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव:

- उपरोक्त क्षेत्रों में सड़कों पर स्थानीय बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से शहरी क्षेत्रों में अंडरपास बंद होना।
- भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
- प्रमुख शहरों में सड़कों पर जलभराव के कारण यातायात में व्यवधान, जिससे यात्रा समय में वृद्धि।
- कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।

- कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- स्थानीय भूस्खलन/मिट्टी का खिसकना/भूस्खलन/मडस्लिप/लैंडसिंक/मडसिंक।
- जलमग्नता के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- यह बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में कुछ नदी घाटियों में नदी बाढ़ का कारण बन सकता है (नदी बाढ़ के लिए कृपया CWC की वेबसाइट देखें)।

सुझाव:

- अपने गंतव्य के लिए निकलने से पहले अपने मार्ग पर यातायात जाम की स्थिति की जांच करें।
- इस संबंध में जारी किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
- उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहां अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- कमजोर संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी / अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **आंध्र प्रदेश** में, भारी वर्षा के दौरान मूंगफली और मक्का की फसल की कटाई स्थगित रखें और पहले से कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें। धान, मक्का, गन्ना, अरहर, उड़द, मूंग, रागी, कपास, मूंगफली, हल्दी, अदरक एवं सब्जियों के खेतों तथा केले, आम, काजू, नारियल और सुपारी के बागानों से अतिरिक्त जल की निकासी करें। जब तक मिट्टी में नमी इष्टतम स्तर पर न पहुंच जाए, तब तक रबी फसलों (रबी मक्का, बंगाल चना आदि) की बुवाई न करें।
- **तेलंगाना** में, कपास की परिपक्व फसल की तुरंत कटाई करें तथा उपज को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें। खेतों में रखी हुई मक्का और सोयाबीन की पहले से कटी हुई फसल को तिरपाल से ढक दें या किसी सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करें। धान, कपास, अरहर, मूंग, मूंगफली, हल्दी और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।
- **तमिलनाडु** में, धान और मूंगफली की परिपक्व फसलों की कटाई केवल साफ मौसम के दौरान ही करें तथा धान और मूंगफली की कटी हुई उपज और तोड़े गए केले के गुच्छों को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें। धान, मूंगफली, गन्ना, कपास, उड़द, मक्का, हल्दी एवं सब्जियों के खेतों तथा नारियल, केले और काली मिर्च के बागानों में जलजमाव से बचाव हेतु अतिरिक्त जल की निकासी के लिए उचित व्यवस्था करें। भारी वर्षा के दौरान धान की रोपाई या सीधी बुवाई न करें।
- **केरल** में, धान की परिपक्व फसल की तुरंत कटाई करें तथा उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। धान, अदरक एवं सब्जियों के खेतों और केले, नारियल, सुपारी, इलायची और काली मिर्च के बागानों में पर्याप्त जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें।
- **तटीय कर्नाटक** में, भारी वर्षा के दौरान धान की कटाई स्थगित रखें और पहले से कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें।
- **छत्तीसगढ़** में, भारी वर्षा के दौरान धान, लघु अनाज, मक्का, उड़द, कुलथी, मूंगफली और अरहर की फसलों की कटाई स्थगित रखें और पहले से कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थानों पर रखें। खड़ी फसलों के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।
- **ओडिशा** में, भारी वर्षा के दौरान धान, उड़द, मूंग, मक्का और सब्जियों की फसलों की कटाई स्थगित रखें और पहले से कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें। धान, उड़द, मूंग, अरहर, मक्का, मूंगफली, कपास, गन्ना और सब्ज़ियों के खेतों तथा फलों के बागानों से अतिरिक्त जल की निकासी करें। रबी फसलों (रबी दलहन, सब्ज़ियाँ आदि) की बुवाई / रोपण बारिश बंद होने तक स्थगित रखें।
- **पश्चिम बंगाल** में, धान, मूंगफली, दालों, अदरक और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।
- **झारखंड** में, धान की परिपक्व फसल की कटाई केवल साफ मौसम के दौरान ही करें तथा कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें।
- **बिहार** में, धान और मक्का की परिपक्व फसलों की कटाई करें और उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें।

- **पूर्वी उत्तर प्रदेश** में, धान और सब्जियों की परिपक्व फसलों की कटाई केवल साफ मौसम / वर्षा-रहित अवधि के दौरान ही करें और उपज को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें।
- **गुजरात** में, धान, मूंगफली, सोयाबीन, उड़द, मूंग, तिल, मक्का, बाजरा और सब्जियों (टमाटर, बैंगन, मिर्च, भिंडी, खीरा आदि) की परिपक्व फसलों की कटाई केवल साफ मौसम के दौरान ही करें और उपज को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें। खड़ी फसलों के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी करें।
- **मध्य प्रदेश** में, धान, मक्का और सोयाबीन की परिपक्व फसलों की कटाई केवल साफ मौसम के दौरान ही करें और उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें।
- **कोंकण** में, धान और रागी की कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। **मध्य महाराष्ट्र** में, धान, सोयाबीन, मक्का, मूंगफली और बाजरा की कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें। **मराठवाड़ा** में, सोयाबीन और कपास की कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें। **विदर्भ** में, धान (शीघ्र पकने वाली किस्में), सोयाबीन और कपास की परिपक्व फसलों की कटाई केवल साफ मौसम के दौरान ही करें तथा कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।
- कटी हुई फसलों को अच्छी तरह से बांधें और ढककर रखें ताकि तेज हवा के कारण विस्थापन का खतरा कम हो।

बाढ़ संबंधी मार्गदर्शन

29-10-2025 के 1130 IST तक फ्लैश फ्लड रिस्क (एफएफआर) के लिए 24 घंटे का आउटलुक: अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उपविभागों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और पड़ोस में मध्यम से उच्च फ्लैश फ्लड का खतरा होने की संभावना है। तटीय आंध्र प्रदेश और यनम - गुंटूर, कृष्णा, पश्चिम गोदावरी, पूर्वी गोदावरी, प्रकाशम, नेल्लोर, श्रीकाकुलम विशाखापत्तनम और विजयनगरम जिले। तेलंगाना - भद्राद्री कोठागुडेम और खम्मम जिले। ओडिशा - कोरापुट, रायगढ़ा, कंधमाल, नयागढ़, केंद्रपाड़ा, मयूरभंज, पुरी, बालेश्वर, गजपति और गंजम जिले। अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा होने के कारण मानचित्र में दिखाए गए अनुसार चिंता के क्षेत्र (एओसी) में कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।	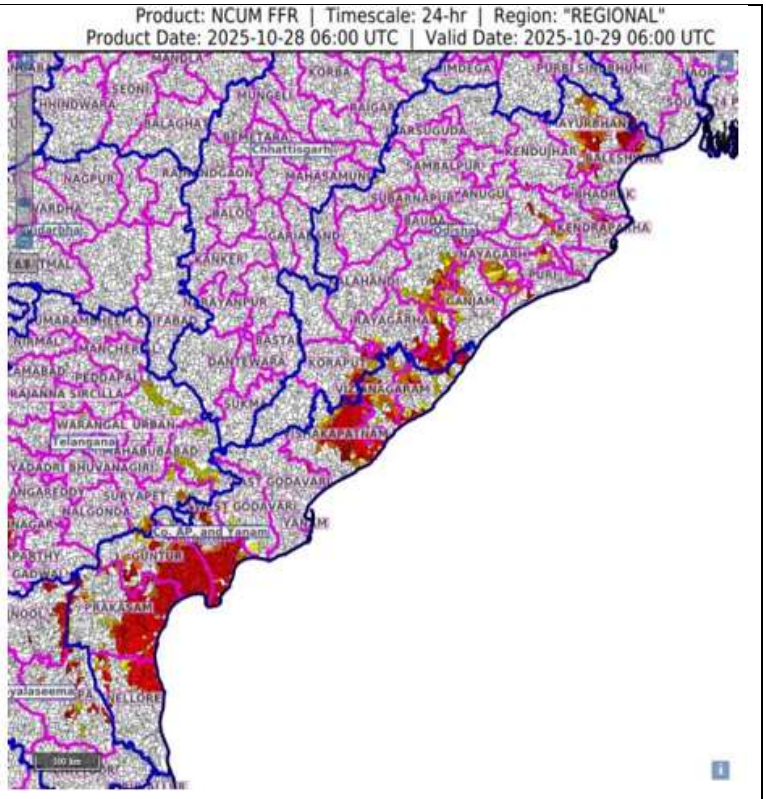
29-10-2025 के 11:30 IST तक अचानक बाढ़ के जोखिम (FFR) का 24 घंटे का पूर्वानुमान: अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में अचानक बाढ़ का कम जोखिम होने की संभावना है। सौराष्ट्र और कच्छ - गिर सोमनाथ और जूनागढ़ जिलों में, अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दिखाए गए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।	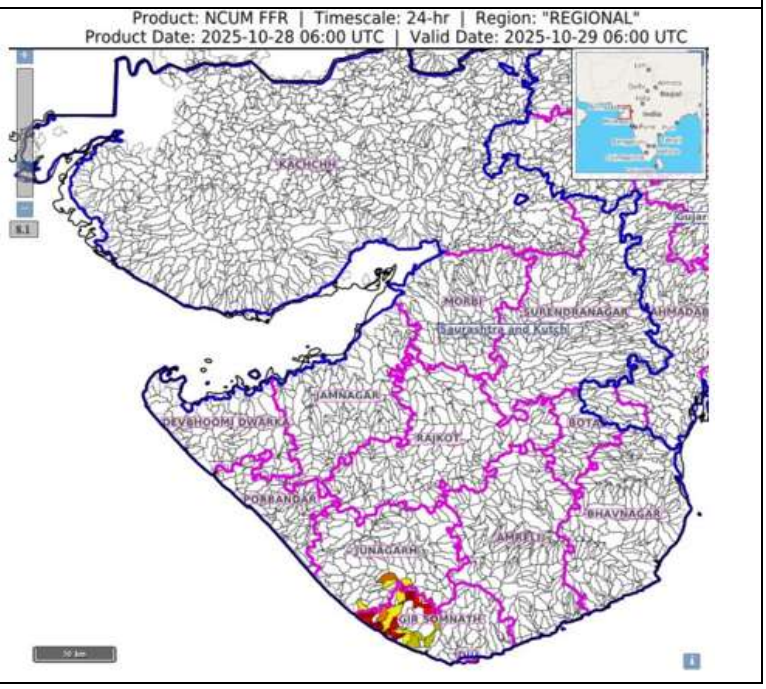

- **किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:**
  - **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा:** >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

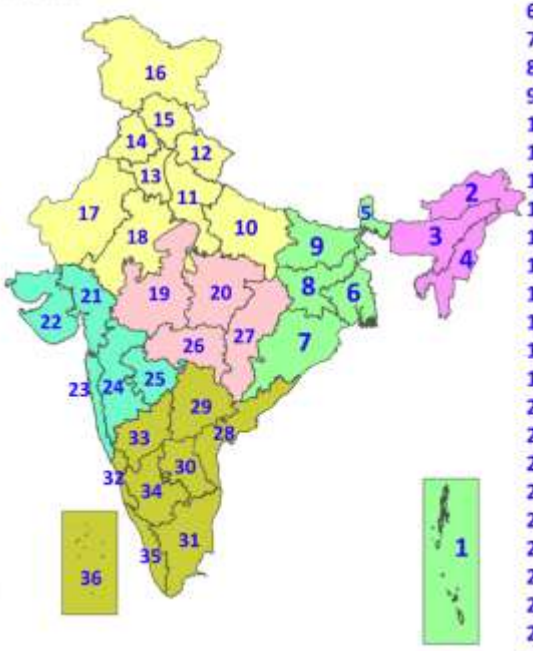

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds
Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds
Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)